उत्तराखंड में द्रोणाचार्य, खेल रत्न और लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के लिये नाम तय

चर्चा में क्यों?

20 मार्च, 2023 को उत्तराखंड के खेल निदेशक जितेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि राज्य के वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 के लिये तीन खेल प्रशिक्षकों को देवभूमि उत्तराखंड द्रोणाचार्य अवॉर्ड और तीन खिलाड़ियों को देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार सहित कुछ अन्य पुरस्कारों के लिये चयनित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- खेल निदेशक जितेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि शासन की हाईपावर कमेटी और खेल मंत्री के अनुमोदन के बाद पुरस्कारों के लिये नाम घोषित कर दिये जाएंगे।
- खेल विभाग की ओर से 24 मार्च को परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में करीब 200 से अधिक खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पुरस्कृत करेंगे। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले इन खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा।
- ज्ञातव्य है कि राज्य के खिलाड़ी हॉकी, क्रिकेट के मैदान से लेकर बैडमिंटन सहित विभिन्न खेलों में देश और दुनियाभर में अपना लोहा मनवा चुके हैं, लेकिन पिछले चार साल से कोविड एवं अन्य कई वजहों से राज्य के खिलाड़ियों और खेल प्रशिक्षकों को पुरस्कार नहीं मिल पाए थे। हालाँकि विभाग की ओर से समय-समय पर इसके लिये आवेदन मांगे गए, लेकिन खिलाड़ियों और खेल प्रशिक्षकों के नाम फाइनल नहीं हो पाए।
- खेल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक द्रोणाचार्य अवार्ड के लिये विभाग को आठ और खेल रत्न पुरस्कार के लिये 11 आवेदन मिले, जबकि लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिये छह आवेदन मिले हैं।
- द्रोणाचार्य, खेल रत्न एवं लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिये खिलाड़ियों एवं खेल प्रशिक्षकों को पुरस्कार मिलने का इंतजार खत्म होने जा रहा है, लेकिन हिमालय पुत्र पुरस्कार के लिये खिलाड़ियों को अभी इंतजार करना होगा। वर्ष 2022 में शासनादेश होने के बावजूद विभाग की ओर से अभी इसके लिये आवेदन नहीं मांगा गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/names-finalised-for-dronacharya,-khel-ratna-and-lifetime-achievement-awards-in-uttarakhand